हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 12 अक्टूबर 2026

12 श्रीराम जन्म के बाद निकली चारों युवराजों की शोभायात्रा



12 सिचाई एवं महिला बाल विकास मंत्री ने 11 विकास...



खबर संक्षेप

ट्रक की टक्कर से प्रवासी युवक की मौत

झज्जर। शहर के धौड़ चौक पर ट्रक की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान राजस्थान कोटपुतली के राम चंदपुरा निवासी अमित कुमार के तौर पर हुई है। पुलिस को दी शिकायत में मृतक के पिता मुकेश कुमार ने बताया कि अमित बीती 6 अक्टूबर को काम की तलाश में झज्जर क्षेत्र में आया था। शनिवार को उन्हें सूचना मिली कि अमित कुमार का एक्सीडेंट हो गया है और उसकी मौत हो गई है। इसके बाद जब वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ यहां पहुंचा तो पता चला कि अमित कुमार का एक्सीडेंट शुक्रवार की रात करीब डेढ़ बजे ट्रक की चपेट में आने से हुआ है।

माछरौली व ढाकला गांव में सेवा सेतु कैंप आज

झज्जर। जिले भर में सेवा संकल्प अभियान के तहत आमजन को सरकार की योजनाओं का लाभ उनके नजदीक पहुंचाने के उद्देश्य से शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में सेवा सेतु कैंप लगाए जा रहे हैं। जिप सीईओ मनीष फौगाट ने बताया कि 12 अक्टूबर को माछरौली ब्लॉक मुख्यालय व गांव ढाकला, 13 अक्टूबर को गांव खुड्डन, 14 अक्टूबर को साल्हावास ब्लॉक मुख्यालय तथा 15 अक्टूबर को गांव भूरावास में सेवा सेतु कैंप आयोजित किए जाएंगे।

सस्ती गाड़ी दिलाने के नाम पर रुपये ठगे

बहादुरगढ़। दिल्ली से सस्ती कार दिलाने के नाम पर शातिर ने एक युवक को ठग लिया। कार तो मिली नहीं, हजारों रुपये भी गंवा बैठा। मामला पिछले साल का है लेकिन अब साइबर थाने में केस दर्ज हो सका है। मातन के निवासी आनंद का कहना है कि पिछले साल जनवरी में उसके पास एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉलर ने कहा कि आपको दिल्ली से सस्ती ब्रेजा कार दिला दूंगा। मैंने उस पर भरोसा कर लिया। आरोपी ने बुकिंग के नाम पर ऑनलाइन दस हजार रुपये मंगवा लिए। दइसके बाद कागजों के नाम पर 35 हजार मंगवाए। फिर 5 हजार और 30 मंगवाए। इस तरह से उसने 80 हजार रुपये मंगवा लिए लेकिन कार नहीं मिली। फिर ठगी का आभास हुआ। तब ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी।

युवक की जेब से फोन चोरी कर खाते से निकाले रुपये

बहादुरगढ़। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर यात्रियों को सतर्क रहने की जरूरत है। थोड़ी सी अनदेखी या लापरवाही वारदात का कारण बन सकती है। बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन पर किसी पॉकेट मार ने एक मुसाफिर की जेब से मोबाइल चोरी कर खाते से हजारों रुपये की नकदी साफ कर दी। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दे दी है। वारदात राजस्थान मूल के पूर्ण के साथ हुई है। पूर्ण सिंह का कहना है कि कुछ समय पहले वह आगरा से बहादुरगढ़ स्टेशन पर आया था। रात अधिक होने के कारण वह स्टेशन पर ही सो गया। सुबह पांच बजे उठा तो जेब कटी हुई मिली। मोबाइल गायब था।

नवरात्र के पहले दिन माता के शैलपुत्री स्वरूप का किया पूजन

मां भीमेश्वरी देवी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ हजारों की संख्या में लोगों ने किए माता के दर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेरी

रविवार से शारदीय नवरात्र मेले का आगाज हो गया। नवरात्र के पहले दिन बेरी स्थित मां भीमेश्वरी देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने कई घंटों के इंतजार के बाद मां भीमेश्वरी देवी के दर्शन किए। अलसुबह से ही श्रद्धालुओं का मंदिर परिसर में पहुंचना शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने माता की मंगला आरती सुनी और अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। दिनभर मंदिर परिसर माता के जयकारों से गूंजता रहा। उधर, पूरे बेरी कस्बा में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। कोई श्रद्धालु हाथों में ध्वजा लिए हुए तो कोई पेट के बल लेटकर माता के दर्शनों के लिए पहुंच रहे है।





बेरी। मां भीमेश्वरी देवी की प्रतिमा, मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़।

बाजारों में छाई रौनक

नवरात्र के पहले दिन श्रद्धालुओं ने माता के शैलपुत्री स्वरूप का पूजन किया। श्रद्धालुओं ने अपने घरों और मंदिरों में जाकर माता की विशेष पूजा अर्चना की और माता की प्रतिमा के समक्ष प्रसाद चढ़ाकर अपनी आस्था जताई। उधर, नवरात्र पर्व के चलते बाजारों में भी रौनक छाई हुई है। दुकानदारों ने व्रत के सामान और नारियल, चुन्नी से अपनी दुकानों को सजाया हुआ है। किरयाणा की दुकानों पर अन्य दिनों की अपेक्षा बिक्री में भी वृद्धि हुई है।

डीसी ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन के लिए जारी किए निर्देश

डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि शारदीय नवरात्र पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा भीड़ का सुचारू प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इस बार नवरात्र पर्व 11 से 19 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। इस दौरान मंदिरों, धार्मिक स्थलों, मेलों और जागरण कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं की अधिक आवाजाही को देखते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना, भगदड़ अथवा अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए प्रशासन के साथ प्रभावी समन्वय जरूरी है। प्रमुख देवी मंदिरों, शक्तिपीठों और पंडालों में आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए। प्रमुख मंदिरों और पंडालों में सीसीटीवी लगाए जाएं तथा एक नियंत्रण कक्ष के माध्यम से गतिविधियों पर निगरानी रखी जाए। इसके साथ ही अग्निशमन यंत्रों, चिकित्सा सहायता, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में तत्काल सहायता उपलब्ध करवाई जा सके।

देशभर में दौड़कर बहादुरगढ़ का नाम रोशन कर रहे धावक

राष्ट्रीय मैराथन में प्रतिभा दिखा रहे धावक

दौड़ के जरिए स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दे रहा बीआरजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने में बहादुरगढ़ रनिंग ग्रुप (बीआरजी) अहम भूमिका निभा रहा है। दीपक छिल्लर और प्रवीण सांगवान की पहल पर 8 जुलाई 2019 को शुरू हुए इस ग्रुप से आज सैकड़ों लोग जुड़ चुके हैं। कभी कुछ लोगों के साथ शुरू हुआ यह सफर अब देश के बड़े नामचीन रनिंग समूह का रूप ले चुका है। ग्रुप के सदस्य बहादुरगढ़ समेत आसपास के क्षेत्रों में लोगों को नियमित दौड़ लगाने और शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। आज की व्यस्त जीवनशैली में शारीरिक गतिविधियों की कमी एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। ऐसे समय में बहादुरगढ़ रनिंग ग्रुप जैसे सामूहिक प्रयास लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक करने में मददगार साबित हो रहे हैं। बीते सात सालों से जारी बीआरजी का सफर अब सैकड़ों लोगों की भागीदारी के साथ आगे बढ़ रहा है और शहर में रनिंग संस्कृति को प्रोत्साहित कर रहा है। बीआरजी से जुड़े धावक देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित होने वाली दौड़ प्रतियोगिताओं और मैराथन में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से धावकों को अपनी क्षमता परखने के साथ नए अनुभव हासिल करने का अवसर भी मिलता है। ग्रुप का उद्देश्य केवल दौड़ना नहीं, बल्कि लोगों में फिटनेस के प्रति रुचि पैदा करना और नियमित व्यायाम को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना भी है।

सिटी पल्स



बहादुरगढ़। बीआरजी की गतिविधियों में दौड़ लगाते धावक।

रनिंग के प्रति बढ़ता जुनून

अल्ट्रा रनर प्रवीण सांगवान ने बताया कि ग्रुप से सैकड़ों लोगों का जुड़ना इस पहल के लगातार विस्तार को दर्शाता है। रनिंग के प्रति बढ़ती रुचि लोगों को अपनी दिनचर्या में शारीरिक गतिविधियों के लिए समय निकालने का संदेश देती है। समूह के माध्यम से धावकों को एक-दूसरे से सीखने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने और नियमित अभ्यास जारी रखने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। बीआरजी के धावक विभिन्न शहरों में आयोजित रनिंग इवेंट और मैराथन में हिस्सा लेकर बहादुरगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।



फिटनेस का साझा मंच

बहादुरगढ़ रनिंग ग्रुप की शुरुआत करने वाले दीपक छिल्लर ने बताया कि बीआरजी ने शहर में रनिंग को लेकर लोगों को एक साझा मंच उपलब्ध कराया। ग्रुप के माध्यम से लोगों को नियमित दौड़ने, अपनी फिटनेस पर ध्यान देने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सामूहिक रूप से दौड़ने से लोगों में आपसी सहयोग और एक-दूसरे को आगे बढ़ाने की भावना भी मजबूत होती है। बीआरजी से जुड़ने वाले नए सदस्य इस समूह के माध्यम से फिटनेस की दिशा में अपनी शुरुआत कर सकते हैं।



सेहत के लिए दौड़ें

फिटनेस की इस मुहिम का हिस्सा बने धर्मबीर सेन ने बताया कि रनिंग जैसी गतिविधियां लोगों को सक्रिय रहने और अपनी सेहत के प्रति जागरूक बनने का अवसर देती हैं। ग्रुप से जुड़कर धावक सामूहिक अभ्यास और प्रतियोगिताओं में भागीदारी के जरिए अपने अनुभव बढ़ा रहे हैं। ऐसे प्रयास युवाओं के साथ अन्य आयु वर्ग के लोगों को भी नियमित व्यायाम के लिए प्रेरित कर सकते हैं। प्रतियोगिताओं में भाग लेने से धावकों को अपनी सहनशक्ति, अभ्यास और प्रदर्शन को बेहतर बनाने का अवसर मिलता है।

पैतृक गांव बिरोहड़ में ग्रामीणों ने अमन सहरावत का किया स्वागत



झज्जर। अमन सहरावत को गदा भेंट कर सम्मानित करते कैबिनेट मंत्री कृष्ण पंवार।

- कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार व पूर्व मंत्री औमप्रकाश धनखड़ ने गदा भेंट कर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को क्षेत्र के गांव बिरोहड़ में एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल विजेता अंतरराष्ट्रीय पहलवान अमन सहरावत के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए अमन सहरावत को गदा भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान अपने संबोधन में कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय पहलवान अमन सहरावत ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धियां युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। ग्रामीण परिवेश से निकलकर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर अपनी पहचान बनाने वाले अमन सहरावत की सफलता से क्षेत्र के युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। वहीं पूर्व मंत्री औमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि उनकी उपलब्धियां युवाओं को यह संदेश देती हैं कि लगन व समर्पण के साथ आगे बढ़ने वाले खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता हासिल कर सकते हैं।

जलेबी न होने पर रेस्टोरेंट मैनेजर व कर्मचारी पीटे

बहादुरगढ़। जलेबी नहीं मिली तो 4 युवकों ने रेस्टोरेंट के कर्मचारियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। डंडों से हमला किया। बीच बचाव करने आए मैनेजर की भी पिटाई कर दी। इतना ही नहीं, रेस्टोरेंट में कुर्सियां तोड़ी और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। मामला नेशनल हाइवे-9 के किसान चौक स्थित देशी ढाणी रेस्टोरेंट का है। पुलिस को दी शिकायत में नेपाल मूल के राम यादव ने कहा है कि वह पिछले दो साल से रेस्टोरेंट में तंदूर पर काम करता है। बीती रात करीब ढाई बजे 4 युवक वेटरों से जलेबी मांग रहे थे। कर्मचारियों ने जलेबी उपलब्ध नहीं होने की बात कही तो युवक गाली-गलौज करने लगे। इसके बाद मैनेजर मनोज को बुलाया गया। आरोप है कि मैनेजर के बाहर आने पर एक युवक ने उसे भी थप्पड़ मारे और कार से डंडे निकाल लिए। राम यादव के अनुसार, चारों युवकों ने कर्मचारियों का रास्ता रोककर डंडों से मारपीट की।

सीएम विंडो पर शिकायत के बावजूद सेक्टर-नौ में नहीं हुई तारबंदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के सेक्टर-नौ में बेसहारा पशुओं से पेड़-पौधों को हो रहे नुकसान, सड़कों पर फैल रही गंदगी और दुर्घटनाओं के खतरे को देखते हुए आरडब्ल्यूए प्रधान सोमवीर जाखड़ ने एचएसवीपी अधिकारियों से उचित तारबंदी कराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले करीब दो वर्षों से शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। यदि सेक्टर वासियों की माने तो इस संबंध में वे सीएम विंडो पर भी दो बार शिकायत दर्ज करा चुके हैं, लेकिन मौके का निरीक्षण किए बिना ही शिकायतें बंद कर दी गईं। सोमवीर जाखड़ ने कहा कि सेक्टरवासी अपने घरों के आगे और पीछे पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाने के लिए मेहनत और पैसा खर्च करते हैं, लेकिन खुले घूमने वाले पशु इन पौधों को नुकसान पहुंचाते हैं। पशुओं की आवाजाही से सड़कों पर गोबर और गंदगी फैलती है, जिससे सेक्टर की स्वच्छता और सुंदरता प्रभावित होती है। सड़कों पर पशुओं के घूमने से वाहन चालकों और राहगीरों के लिए दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने बताया कि पहले करंट लगने से एक भैंस की मौत की घटना भी सामने आ चुकी है।



झज्जर। सेक्टर नौ में घूमते हुए बेसहारा गोवंश।

पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग को लेकर निकाला संकल्प मार्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

पुरानी पेंशन बहाल करने और एनपीएस-यूपीएस बंद करने की मांग को लेकर रविवार को पेंशन बहाली संघर्ष समिति की जिला इकाई द्वारा संकल्प मार्च निकाला गया। इस कार्यक्रम में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी कर्मचारी समिति के राज्य प्रधान विजेंद्र धारीवाल, राज्य महासचिव ऋषि नैन, रोहतक जिला प्रधान अनिल स्वामी, गुरुग्राम जिला प्रधान सुशील कटारिया, जींद जिला प्रधान जोगिंद्र लोहान और विजय आदि के साथ स्थानीय महर्षि दयानंद सरस्वती खेल स्टेडियम परिसर में एकत्रित हुए। यहां से वे संकल्प मार्च निकालते हुए गुरुग्राम रोड स्थित लघु सचिवालय तक पहुंचे। यहां पहुंच कर उन्होंने उपायुक्त के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजा। जिला प्रधान मनोज कुमार ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली तक संघर्ष जारी रहेगा और कर्मचारियों के अधिकारों की लड़ाई को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों से एकजुट होकर आंदोलन में भाग लेने का आह्वान किया। समिति के प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र सिंह धारीवाल ने कहा है कि एनपीएस और यूपीएस में कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा, पेंशन की गारंटी, स्वयं के अंशदान की वापसी और पारिवारिक पेंशन को लेकर कई चिंताएं हैं। इसलिए कर्मचारियों को एनपीएस और यूपीएस के साथ पुरानी पेंशन योजना चुनने का विकल्प भी दिया जाए, ताकि सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिले और सेवाकाल के दौरान की गई बचत का लाभ प्राप्त हो सके।



झज्जर। संकल्प मार्च निकालते हुए पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति सदस्य।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर समिति के वरिष्ठ उपप्रधान भूपेंद्र स्वामी, उपप्रधान अरुण भटनाकर, महासचिव संजय गहलोत, ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी राजवीर और कोषाध्यक्ष जयवीर सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़ में हुआ रामायण नृत्य नाटिका का मंचन

बेटियों ने अभिनय से जीवंत किए रामायण के प्रसंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

भारतीय संस्कृति, संस्कारों और भगवान श्रीराम के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से शनिवार की रात शहर में श्री रामायण नृत्य नाटिका का आयोजन किया गया। द नृत्यांगना डांस स्कूल की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में 100 से अधिक बेटियों ने नृत्य, संगीत और अभिनय के माध्यम से रामायण के विभिन्न प्रसंगों का सजीव चित्रण किया। आकर्षक मंच सज्जा, रंग-बिरंगी रोशनी और शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। करीब ढाई घंटे तक चली इस प्रस्तुति में भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रसंगों के जरिए त्याग, मर्यादा, कर्तव्य और धर्म के महत्व को दर्शाया गया।



बहादुरगढ़। कार्यक्रम के दौरान स्वयंवर में धनुष उठाते राम।

बेटियों ने मंच पर जीवंत की गाथा

कलाकारों ने अपनी भाव-भंगिमाओं और प्रभावशाली अभिनय से रामायण की घटनाओं को मंच पर जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में मौजूद दर्शकों ने बेटियों की प्रतिभा, मेहनत और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। आयोजन के माध्यम से जहां युवा व बाल कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला, वहीं दर्शकों को भारतीय संस्कृति और भगवान श्रीराम के आदर्शों से जुड़ने का संदेश भी मिला। एचओडी गुलशन शर्मा ने बताया कि द नृत्यांगना डांस स्कूल की ओर से बहादुरगढ़ में तीसरी बार यह आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का निर्देशन व कोरियोग्राफी मानसी शर्मा खुराना ने की। आयोजन का मुख्य उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत को मनोरंजक और प्रभावी माध्यम से बच्चों तथा युवाओं तक पहुंचाना रहा। बेटियों ने नृत्य और नाट्य कला के जरिए श्रीराम के आदर्शों को प्रस्तुत कर नई पीढ़ी को नैतिक मूल्यों और भारतीय परंपराओं से जोड़ने का संदेश दिया है। अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

गाड़ी वापस मांगने पर जान से मारने की दी धमकी

बहादुरगढ़। पिता की बीमारी का हवाला देकर परिचित परिवार से गाड़ी मांगने और वापस न लौटाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गाड़ी वापस मांगने पर युवक ने फोन पर जान से मारने की धमकी भी दी। आरोपों की सत्यता जांच का विषय है। फिलहाल सिटी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में देवी कॉलोनी की निवासी मोनिका ने कहा है कि हमारे पास स्कार्पियो गाड़ी है। गत 25 सितंबर को मांडोठी के निवासी एक युवक ने अपने पिता की बीमारी का हवाला देते हुए हमसे गाड़ी मांगी थी। उसने दो घंटे बाद वापस लौटने की बात कही थी लेकिन नहीं दी।

महिला पर तेजधार हथियार से हमला, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सदर थाना क्षेत्र के अधीन लगते एक गांव में महिला पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया गया। बीच बचाव करने आई उसकी देवरानी से भी मारपीट की गई। गांव के दो सगे भाइयों व उनके पिता पर आरोप है। आरोपों की सत्यता जांच का विषय है। फिलहाल सदर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। जांच के बाद मामले की असल हकीकत सामने आ सकेगी।

मामला गांव खरमाण का है। यहां की निवासी एक महिला ने कहा है कि गांव से बाहर उनकी डेयरी है। सुबह, शाम वह डेयरी में काम संभालने जाती है। गत 9 अक्टूबर की सुबह भी डेयरी में जा रही थी। जब डेयरी के पास पहुंची तो वहां जसबीर नाम के एक व्यक्ति ने मेरा रास्ता रोक लिया। उसके साथ उसका भाई प्रदीप व पिता भी था। जसबीर ने अचानक उस पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया। देवरानी बीच बचाव करने आई तो हमलावर के भाई ने देवरानी पर हमला कर दिया। शोर सुनने के बाद लोग एकत्र हुए तो हमलावर भाग गए। इसके बाद देवर ने मुझे अस्पताल में भर्ती कराया। आरोपी ने कुछ दिन पहले भी झगड़ा किया था, जिसकी एफआईआर सदर थाने में पहले से दर्ज है।



मां दुर्गा की पूजा

साल भर में नवरात्रि दो बार आती हैं। लोग चैत्र और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करके अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए कामना करते हैं। इस समय शारदीय नवरात्रि चल रही है, जोकि इस बार 11 अक्टूबर से शुरू 19 अक्टूबर तक चलेंगी। दुर्गा अष्टमी 18 और 19 अक्टूबर दोनों दिन मनाई जाएगी। दुर्गा अष्टमी अपने आप में खास है। इस दिन की पूजा का सबसे ज्यादा महत्व होता है। इसी तरह नवमी की पूजा का भी विशेष महत्व रहता है।

सांझी माई : जब हरियाणा की दीवारें बोलती थी

हरियाणा के लोक-सांस्कृतिक दस्तावेजों में सांझी को ग्रामीण दीवार-कला की उन परंपराओं में रखा गया है, जिनमें मिट्टी के उभरे हुए रूप दीवार पर लगाए जाते थे। यह केवल चित्र बनाना नहीं था। यह लड़कियों की अपनी छोटी-सी दुनिया थी। प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में सांझी की अवधि और विधि में थोड़ा अंतर मिलता है।



संस्कृति

रवि यादव



हरियाणा की लोक-संस्कृति में कुछ परंपराएं ऐसी रही हैं, जिनके लिए न बड़े मंदिर चाहिए थे, न महंगे सामान और न किसी पुरोहित की अनिवार्यता। घर की मिट्टी, तालाब की चिकनी मिट्टी, गोबर, फूल-पत्तियाँ, थोड़े-से प्राकृतिक रंग और लड़कियों की कल्पनाशील उंगलियां—बस इन्हीं से एक पूरी लोक-संसार रच दिया जाता था। 'सांझी माई' ऐसी ही एक परंपरा थी। आज भी हरियाणा के कुछ ग्रामीण इलाकों में इसके दर्शन हो जाते हैं, लेकिन पहले जैसी व्यापकता अब नहीं रही।

हरियाणा सरकार ने भी 2026 में इसे लुप्त होती लोककला बताते हुए इसके संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए कार्यशालाएँ शुरू की हैं। पुराने हरियाणा के गांवों में शारदीय नवरात्र के आसपास घर की कोई साफ-सुथरी दीवार अचानक साधारण दीवार नहीं रह जाती थी। उसे लीपा-पोता जाता और फिर उस पर उभरने लगती थी एक स्त्री आकृति—सांझी माई। कहीं उनका चेहरा बनाया जाता, कहीं पूरा शरीर, तो कहीं उनके चारों ओर चांद, सूरज, तारे, फूल, पक्षी, पेड़, पशु और तरह-तरह के प्रतीक सजाए जाते। मुख्य सामग्री होती थी गोबर और मिट्टी। गांव की लड़कियां तालाब या पोखर से चिकनी मिट्टी लातीं। उससे छोटे-छोटे चांद-सितारे, गहने और आकृतियां बनाकर सुखाई जाती। फिर गोबर से लीपी दीवार पर सांझी का रूप उभारा जाता और उसे खड़िया, गेरू, हल्दी, रोली, फूल-पत्तियों तथा उपलब्ध प्राकृतिक रंगों से सजाया जाता। हरियाणा के लोक-सांस्कृतिक दस्तावेजों में सांझी को ग्रामीण दीवार-कला की उन परंपराओं में रखा गया है जिनमें मिट्टी के उभरे हुए रूप दीवार पर लगाए जाते थे। यह केवल चित्र बनाना नहीं था। यह लड़कियों की अपनी छोटी-सी दुनिया थी। हरियाणा के अलग-अलग इलाकों में सांझी की अवधि और विधि में थोड़ा अंतर मिलता है। अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में इसे पितृपक्ष से दशहरे तक लगभग सोलह दिनों की परंपरा के रूप में माना गया, जबकि कई स्थानों पर इसका संबंध नवरात्र के नौ या दस दिनों से जोड़ा गया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अनुसार उत्तर और मध्य भारत में सांझी की एक परंपरा पितृपक्ष के दौरान लगभग पंद्रह दिनों तक अविवाहित लड़कियों द्वारा निभाई जाती रही है। हरियाणा के कई गांवों में अमावस्या या नवरात्र आरंभ होने के आसपास दीवार तैयार की जाती और फिर दशहरे तक प्रतिदिन उसकी सजावट और पूजा होती। इसलिए किसी एक तारीख को पूरे हरियाणा की सांझी परंपरा का नियम मानना ठीक नहीं होगा। शाम का समय इसका सबसे महत्वपूर्ण समय था। शायद इसी कारण इसका नाम 'सांझी' या 'सांझ' से जोड़ा जाता है। संध्या होते ही लड़कियां अपने काम-काज से निवृत्त होकर सांझी के सामने इकट्ठी होतीं। दीपक जलता, गीत गाए जाते और घर-आंगन में एक अलग ही वातावरण बन जाता।

सांझी माई कौन थीं ?

सांझी को लेकर पूरे उत्तर भारत में एक जैसी कथा नहीं मिलती। कहीं उन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना गया, कहीं लोकदेवी के रूप में पूजा गया और कहीं धरती, उर्वरता तथा पारिवारिक सुख-समृद्धि से उनका संबंध जोड़ा गया। हरियाणा में भी स्थानीय मान्यताओं के अनुसार उनकी कथा और रूप में अंतर दिखाई देता है। एक लोकमान्यता में सांझी को धरती और हरियाली से जोड़ा गया है। कहा जाता था कि संध्या बेला में लड़कियों और महिलाओं द्वारा सांझी की पूजा, गीत और सजावट करने से घर-परिवार तथा धरती पर सुख-समृद्धि बनी रहती है। दूसरी ओर, अविवाहित कन्याओं के लिए यह अच्छे वर और सुखी गृहस्थ जीवन की कामना से भी जुड़ी थी। अर्थात सांझी में धर्म, प्रकृति, परिवार, विवाह और लोककला सब एक साथ मिल जाते थे। लड़कियों को इतना चाव क्यों था? शायद सांझी की सबसे खूबसूरत बात यही थी। उस समय गांव की लड़कियों के लिए अपने मन की कल्पना को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने के अवसर बहुत कम थे। न मोबाइल था, न सोशल मीडिया, न डिजाइनिंग की कक्षाएं और न ही मनोरंजन के इतने साधन। सांझी की दीवार उन्हें एक ऐसा कैनवास देती थी जिस पर वे अपनी कल्पना उकेर सकती थीं। कौन-सा सितारा कहां लगेगा? सांझी की चुनरी कैसी होगी? चेहरे पर कौन-सा रंग अच्छा लगेगा? गहने कैसे बनाए जाएं? चांद के साथ तारा बड़ा हो या छोटा? इन छोटी-छोटी बातों पर सहेलियों में बहस होती होगी। और फिर यह केवल कला नहीं थी, सहेलियों का मिलन भी था। एक घर की लड़की दूसरी के घर जाती। मिट्टी लाने के लिए कई साथ निकलतीं। कोई मिट्टी गूंथती, कोई आकृति बनाती, कोई रंग भरती और कोई गीत शुरू कर देती। बड़ी उम्र की महिलाएं उन्हें देखकर सलाह देतीं और अपनी पुरानी सांझी की यादें सुनातीं। इस तरह एक पीढ़ी दूसरी पीढ़ी को कला ही नहीं, गीत, कथा, रिश्ते और संस्कार भी सौंपती थी।

लोक परंपराएं किताबों से नहीं, अभ्यास से जीवित रहती हैं। जब मां अपनी बेटी को सांझी बनाना नहीं सिखाती, तो अगली पीढ़ी के पास केवल उसकी कहानी बचती है। इसीलिए सांझी का संकट केवल एक कला के समाप्त होने का संकट नहीं है। इसके साथ वे लोकगीत, बोलियां, सामूहिक स्त्री-अनुभव, मिट्टी से जुड़ी कला और गांव की शामों की वह आत्मीयता भी धीरे-धीरे विदा हो रही है।

मन की बात कहने का माध्यम

सांझी के साथ गाए जाने वाले लोकगीतों में देवी की स्तुति के साथ-साथ लड़की के जीवन की इच्छाएं भी झलकती थीं। कहीं अच्छे वर की कामना, कहीं सुखी घर की कल्पना, कहीं मायके की याद और कहीं सहेलियों के बीच हंसी-मजाक। इसलिए सांझी केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं थी। वह ग्रामीण लड़कियों के लिए एक तरह का सांस्कृतिक संवाद थी। जिस बात को लड़की सीधे कह नहीं सकती थी, वह गीत में कह देती थी। शादी कैसी हो, ससुराल कैसा मिले, घर में सुख-शांति रहे, भाई-बहन सुरक्षित रहें- इन सब भावनाओं के रंग सांझी के गीतों में मिल जाते थे। इसीलिए बुजुर्ग महिलाओं के लिए सांझी केवल देवी की पूजा नहीं, उनके अपने बचपन की स्मृति भी थी।

दशहरे पर विदाई

जिस सांझी को इतने दिनों तक सजाया-संवारा जाता था, उसकी विदाई भी होती थी। दशहरे के दिन या स्थानीय परंपरा के अनुसार अंतिम दिन लड़कियां सांझी को दीवार से उतारतीं। उसे किसी टोकरी, मटके या अन्य पात्र में रखकर तालाब, पोखर या जोहड़ तक ले जाया जाता और वहां विसर्जित किया जाता। कुछ स्थानों पर इस अवसर पर लड़कियां समूह में गीत गाते हुए जाती थीं। हरियाणा के गांवों में ऐसी दस दिवसीय सांझी परंपराओं का उल्लेख मिलता है। यह दृश्य अपने आप में बड़ा मार्मिक रहा होगा, जिसे लड़कियों ने इतने दिनों तक अपने हाथों से बनाया, उसे अंततः पानी को सौंप देना। शायद यही लोकजीवन का दर्शन भी था- बनाना, सजाना, प्रेम करना और फिर समय आने पर विदा कर देना।

सबसे बड़ा परिवर्तन गांव की जीवनशैली में आया है। पहले कच्ची या मिट्टी की दीवारें थीं, जिन पर गोबर और मिट्टी आसानी से चिपक जाती थी। अब पक्की दीवारें, सीमेंट, पेंट और टाइलें हैं। पहले तालाब गांव के जीवन का हिस्सा थे; अब अनेक तालाब सिकुड़ गए या उनकी भूमिका बदल गई। पहले शाम को लड़कियों के पास सामूहिक समय था; आज पढ़ाई, कोचिंग, नौकरी, टीवी और मोबाइल ने उस समय को बांट दिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात- लोक परंपराएं किताबों से नहीं, अभ्यास से जीवित रहती हैं। जब मां अपनी बेटी को सांझी बनाना नहीं सिखाती, तो अगली पीढ़ी के पास केवल उसकी कहानी बचती है। इसीलिए सांझी का संकट केवल एक कला के समाप्त होने का संकट नहीं है। इसके साथ वे लोकगीत, बोलियां, सामूहिक स्त्री-अनुभव, मिट्टी से जुड़ी कला और गांव की शामों की वह आत्मीयता भी धीरे-धीरे विदा हो रही है। आज सांझी को बचाने के लिए सरकारी और सांस्कृतिक संस्थाओं की ओर से कार्यशालाएं और उत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। 2026 में हरियाणा के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग ने महिलाओं को प्रशिक्षण देकर इस लोककला को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की पहल भी की है। लेकिन सांझी वास्तव में तभी बचेगी, जब वह किसी मंच की प्रदर्शनी से निकलकर फिर किसी गांव के घर की दीवार पर बनेगी। क्योंकि सांझी का असली सौंदर्य किसी प्रतियोगिता की ट्रॉफी में नहीं, उस शाम में था जब गांव की कुछ लड़कियां मिट्टी से सने हाथों के साथ एक दीवार के सामने बैठती थीं, दीपक जलता था, कोई पहली पंक्ति का गीत छेड़ती थी और बाकी आवाजें उसके साथ जुड़ जाती थीं। दीवार पर गोबर से बनी वह आकृति देखने में भले ही साधारण थी, लेकिन उसके भीतर एक पूरा संसार बसता था- मिट्टी का संसार, बेटियों का संसार, गीतों का संसार और उस हरियाणा का संसार, जहां त्योहार केवल मनाए नहीं जाते थे, बल्कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी जिए जाते थे। शायद इसलिए आज सांझी माई को याद करना केवल एक पुरानी परंपरा को याद करना नहीं है; यह उस सांझ को याद करना है, जो कभी हरियाणा के गांवों में सचमुच बहुत कुछ अपने साथ लेकर आती थी।

ग़ज़ल | राजपाल सिंह गुलिया



बेरा नां के हुई खराबी

बेरा नां के हुई खराबी,
माणस होग्ये घणे हिसाबी.

पाँ जिनके टूट्टे आर्या मैंह,
माँगैं सैं वे भी गुरगाबी.

ठेका योह बंध होना चइए,
पीकै बोल्ले कई सराबी.

घरती पर तैं खो देंगे ये,
तन्नै तेरे शौक नबाबी .

खोस लई सै नई बहू नै,
आत्याँ ही सासू तैं चाबी.

पढ़या सै पर कढ़या कोन्या,
तन्नै सै बस ग्यान किताबी.

जावै तै कित जावै 'गुलिया '
अडै सराबी , उडै कबाबी.

कविता | डॉ. त्रिलोक चंद



भाई

दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै और नहीं कोये प्यारा।
जै भाई का साथ मिलै तो, होज्या सैं पौ - बारा।।

राम लखन - सा भाई हो ,
सहयोगी अनुयाई हो,
विपदा में वही सहाई हो ,
तो दुःख तैं मिलै छुटकारा ।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै, और नहीं कोये प्यारा।।

भरत कै जैसा त्यागी हो ,
पांडवों -सा अनुरागी हो ,
विक्रम -सा बड़भागी हो ,
तो चमकै भाग्य सितारा ।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै ,और नहीं कोये प्यारा ।।

कृष्ण और बलराम- सा भाई,
धर्म - कर्म की राह बताई।
दुष्टों की करी खूब धुलाई,
भार धरा का टारा।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै ,और नहीं कोये प्यारा ।।

भाई -भाई का प्रेम निराळा ।
खुल जाता किस्मत का ताळा ।
भाई -भाई का रखवाळा ,
भाई त्रिलोक का सहारा ।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै, और नहीं कोये प्यारा ।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

प्रकृति का यौवन | शारदीय नवरात्र का संबंध केवल धार्मिक आस्था से नहीं, कृषि-संस्कृति से भी जुड़ा है

आसौज की गुलाबी ठंड और फसलों का मदहोश नृत्य



जनजीवन

जयदेव राठी

भादों की झड़ी थमती है और आकाश अपना धुला हुआ नीला आँचल फैला देता है। सुबह खेत की मेड़ पर पाँव रखिए तो ओस की ठंडी छुअन तलवों से होकर मन तक उतरती है। दोपहर में सूरज अब भी कुछ तीखा रहता है, लेकिन सांझ ढलते ही हवा में हल्की सिहरन घुलने लगती है। यही आसोज है, जिसे शास्त्रों में आश्विन कहा गया है। वर्षा की विदाई और शरद के आगमन के बीच खड़ा यह महीना न पूरी तरह गर्मी का है, न जाड़े का। इसमें दोनों का संतुलन है और शायद इसी कारण यह ऋतुओं का सबसे सधा हुआ महीना लगता है। युवा अवस्था की तरह आसोज में भी प्रकृति भरी-पूरी दिखाई देती है। खेतों में फसल पकने की ओर बढ़ती है, आकाश साफ होता है, नदी-नालों का पानी निर्मल होने लगता है और लोकजीवन पर्वों के उजाले से भर उठता है। धरती जैसे यौवन की देहरी पर खड़ी हो—उसके चेहरे पर हरियाली है, देह पर फसल की सुनहरी आभा और मन में आने वाली समृद्धि के सपने। संस्कृत साहित्य में शरद के इस सौंदर्य को महाकवि कालिदास ने अद्भुत रूप दिया है।

काशांशुका विकचपद्ममनोज्ञवक्त्रा
सोन्मादहंसरवनूपुरनादरम्या।
आपक्वशालिरुचिरा तनुगात्रयष्टिः
प्राप्ता शरन्नववधूरिव रूपरम्या॥

अर्थात कास के श्वेत फूल जिसके वस्त्र हैं, खिले कमल जिसका मुख हैं, हंसों की ध्वनि जिसके नूपुरों की झंकार है और पकते धान की सुनहरी आभा जिसकी देह-कांति है—ऐसी नववधू के समान शरद आ पहुँची है। भारतीय काव्य परंपरा की यही खूबी है कि वह प्रकृति को केवल दृश्य नहीं मानती, उसे जीवंत चरित्र बना देती है। तुलसीदास ने भी वर्षा की विदाई और शरद के आगमन को अत्यंत सजीव ढंग से देखा—

बरषा बिगत सरद रितु आई।
लछिमन देखहु परम सुहाई॥
फूलें कास सकल महि छाई।
जनु बरषाँ कृत प्रगट बुढ़ाई॥

वर्षा बीत गई और शरद आ गई। कास के फूलों से धरती ऐसे ढक गई, मानो वर्षा ऋतु ने अपने सफेद बाल दिखाकर विदाई ले ली हो। आसोज की प्रकृति को इससे सुंदर उपमा शायद ही मिल सके। आसोज सबसे अधिक किसान का महीना है। उत्तर भारत के गाँवों में बाजरा, ज्वार, मूंग, अरहर और धान अपनी परिपक्वता की ओर बढ़ते हैं। कहीं कपास के डोडे चटकने लगते हैं तो कहीं खेतों में दाने भरने लगते हैं। मेड़ों पर बैठे बुजुर्ग फसल का रंग और उसकी चाल देखकर आने वाले दिनों का अनुमान लगाते हैं। बच्चे खेतों में चिड़ियों को उड़ाते हैं और किसान की निगाह आसमान, मिट्टी और फसल—तीनों पर रहती है। इसी समय अगली फसल की तैयारी भी शुरू हो जाती है। यानी एक फसल घर आने को होती है और दूसरी के बीज धरती में उतरने की तैयारी करते हैं।

भारतीय संस्कृति ने अन्न को केवल भोजन नहीं माना, बल्कि जीवन का आधार माना है। पितृपक्ष की गंभीरता के बाद शारदीय नवरात्र आते हैं और वातावरण में शक्ति का संचार होने लगता है। घर-घर घटस्थापना होती है, जौ बोए जाते हैं और देवी आराधना के साथ नौ दिनों का अनुशासन शुरू होता है। देवी माहात्म्य में शरदकालीन महापूजा का उल्लेख मिलता है—



शरत्काले महापूजा क्रियते या च वार्षिकी।
तस्यां ममैतन्माहात्म्यं श्रुत्वा भक्तिसमन्वितः॥

शारदीय नवरात्र का संबंध केवल धार्मिक आस्था से नहीं, कृषि-संस्कृति से भी जुड़ा है। जौ का अंकुरण जीवन और उर्वरता का प्रतीक बनकर सामने आता है। भारतीय परंपरा में पूजा और खेती कभी एक-दूसरे से अलग नहीं रहे। खेत में बीज डालना भी एक प्रकार की प्रार्थना है और प्रार्थना के साथ श्रम करना भी एक प्रकार का यज्ञ।

नवरात्र के बाद विजयादशमी आती है। मैदानों में रावण के पुतले जलते हैं और आतिशबाजी के बीच बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दोहराया जाता है। लेकिन हर साल जलने वाला रावण हमें यह सवाल भी पूछता है कि क्या हमने अपने भीतर के अहंकार, लोभ, क्रोध और ईर्ष्या को जलाया? अगर नहीं, तो दशहरा केवल मैदान में हुआ दहन है, जीवन में नहीं। आसोज की पूर्णिमा अपनी चाँदनी के कारण विशेष है। शरद पूर्णिमा की रात को लेकर लोकविश्वास है कि चंद्रमा अपनी पूर्ण कलाओं के साथ अमृत बरसाता है। घरों की छतों पर खीर रखने की परंपरा इसी विश्वास से जुड़ी है। हरियाणा की माटी में आसोज की अपनी ही खुशबू है। गाँवों में सांझी की परंपरा, आँगन में लोकगीत, खेतों की ओर जाते पशुओं की घंटियाँ, चौपाल पर हुक्के की गुड़गुड़ाहट और पकते बाजरे की खुशबू—ये सब मिलकर इस महीने को कैलेंडर की तारीख से कहीं बड़ा बना देते हैं। सांझ ढलते ही मिट्टी और गोबर से बनाई गई सांझी के आगे गाए जाने वाले गीत पीढ़ियों से दादी की जुबान से पोती तक पहुँचे हैं। यह लोकसाहित्य किसी विश्वविद्यालय की किताब से नहीं, गाँव के आँगन से निकला है। आसोज में प्रकृति के छोटे जीव भी जैसे उत्सव में शामिल हो जाते हैं। जब खेत भरते हैं और अन्न घर आने की उम्मीद जगती है, तब किसान के भीतर भी एक मोर नाचता है। उसकी थकान, चिंता और कठिनाइयाँ कुछ क्षणों के लिए पीछे छूट जाती हैं।

यौवन का अर्थ केवल उम्र नहीं, संभावना है। आसोज इसी संभावना का महीना है। वह सिखाता है कि पकने के लिए धूप भी चाहिए और ओस भी, श्रम भी चाहिए और धैर्य भी। केवल धूप में जलने वाला जीवन कठोर हो जाता है और केवल छाँव में रहने वाला जीवन कच्चा रह जाता है। आसोज की गुलाबी ठंड और बादलों की ओट से झाँकता सूरज इसी संतुलन का संदेश देते हैं। आज जब मनुष्य ऋतुओं से दूर होता जा रहा है और वातानुकूलित कमरों में बैठकर मौसम को मोबाइल की स्क्रीन पर देखता है, तब आसोज हमें फिर धरती की ओर लौटने का निमंत्रण देता है। खेत की मेड़ पर चलने, ओस को महसूस करने, कास के फूल देखने और किसान की आँखों में पकती फसल की चमक पढ़ने का निमंत्रण। हम सौ शरद देखें, सौ शरद जिएँ और सौ शरद तक सुनें। यह केवल दीर्घायु की कामना नहीं, प्रकृति के साथ लंबे और सार्थक जीवन की आकांक्षा है। आसोज हमें यही याद दिलाता है कि धरती जब यौवन की देहरी पर खड़ी हो, तब हमें भी अपने भीतर के जीवन को पहचानना चाहिए—माटी से जुड़कर, श्रम का सम्मान करके और उन ऋतुओं को महसूस करके, जिन्होंने हमारी संस्कृति को जन्म दिया है।

शिद्दत से काम करें, पूरी फिल्म मेकिंग सीखें : रणजीत चौहान



कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

रोहतक में जन्मे रणजीत चौहान साधारण परिवार से निकलकर आज हरियाणवी सिनेमा में निर्देशक, अभिनेता और फिल्ममेकर के रूप में पहचान बना चुके हैं। उन्होंने सुपवा से एक्टिंग में ग्रेजुएशन और सेज यूनिवर्सिटी, भोपाल से फिल्म मेकिंग में मास्टर किया है। सुपवा के दूसरे बैच (2012) के विद्यार्थी रहे रणजीत ने निर्देशन के क्षेत्र में 'मलाल' और 'मुआवजा' जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाई। इन दोनों फिल्मों के लिए उन्हें बेस्ट डायरेक्टर का अवार्ड मिल चुका है। रणजीत चौहान ने 2017 में 'मलाल' से निर्देशन की शुरुआत की और इसके बाद 'छप्पर फाड़के', 'ओपरी हवा', 'मिडनाइट', 'शॉर्ट कट्स' और 2026 में 'लाइसेंस' जैसी फिल्मों व वेब सीरीज का निर्देशन किया।

वे 'मुद्दा 370 जेएंडके' और 'दादा लख्मी चंद' में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में भी काम कर चुके हैं। उन्होंने 'बिल्लू बदमाश', 'रोहतक के मेले में', 'टेम्परेरी प्यार', 'गुंडागढ़' और 'समझ लियो हरियाणा' सहित कई गीतों का निर्देशन किया है। अभिनेता के रूप में वे 'छलांग', 'कॉमेडी कपल', 'मुद्दा 370 जेएंडके', '1600 मीटर' और 'तोता' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। इसके अलावा 'हरियाणा क्राइम', 'अहसास', 'लाली', 'लगाव' और 'बहू काले की' जैसे प्रोजेक्ट्स में भी उन्होंने अभिनय किया है। बचपन में प्रेमचंद की 'कफ़न' कहानी पढ़कर सातवीं कक्षा में ही रणजीत चौहान ने गली के बच्चों के साथ उसका नाटक करने



का सपना देखा, हालांकि तब उन्हें थिएटर के बारे में भी जानकारी नहीं थी। घर में पिता के नॉवेल पढ़ने के माहौल ने उनके भीतर कल्पनाओं और कहानियों की दुनिया बसाई और धीरे-धीरे उनमे लिखने की आदत विकसित हुई। 2009 में कविता कौशिक से मुलाकात के बाद उन्होंने एक एपिसोड लिखा, जिसके बाद उन्हें असिस्टेंट का नंबर मिला और उन्होंने सीरियल 'कुछ खोया कुछ पाया' का टाइटल ट्रैक भी लिखा। अभिनय में पर्याप्त अवसर न मिलने पर उन्होंने निर्देशन का रुख किया और इसी क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहे। रणजीत चौहान ने अनेक सफल प्रोजेक्ट्स किए हैं लेकिन 'मलाल' फिल्म को वह अपने दिल के काफी करीब मानते हैं। यह उनका पहला प्रोजेक्ट था, जो सुपवा से पास आउट होने के तुरंत बाद किया था। इस फिल्म को शूट करने के लिए उनके पास कोई पैसा नहीं था। स्वयं उनके शब्दों में -'गरीब की बेटी की शादी की तरह लोगों ने अलग-अलग तरीके से मेरी मदद की। किसी ने कैमरा दिया, किसी ने खाना दिया और किसी ने गाड़ियाँ दीं।' आगे चलकर रणजीत सिर्फ एक सफल निर्देशक ही नहीं, बल्कि लाजवाब एक्टर और राइटर भी बने। हरियाणा की मिट्टी से निकलकर निर्देशन और अभिनय में पहचान बनाने के उनके सफर की सबसे बड़ी चुनौती गरीबी और बचपन में ही पिता का साया उठ जाना रहा। इसके साथ ही उनके कंधों पर दो छोटी बहनें, एक छोटा भाई और पूरे परिवार की जिम्मेदारी थी। साथ ही अभिनय का जुनून भी था। इनका बचपन संघर्षों मे बीता, यही कारण है कि इनकी फिल्मों में छोटे शहर और गाँव के किरदार बहुत वास्तविक नजर आते हैं। इन कहानियों में उन्हें सच्चाई दिखाई देती है। अभी हाल ही में इनको हाइफा फेस्टिवल में बेस्ट डायरेक्टर का अवार्ड मिला है। जिसके लिए वह अपने सभी गुरुजनों का और सुपवा का शुक्रिया अदा करते हैं जिन्होंने उन्हें इस काबिल बनाया। इनकी अभी हाल में रिलीज 'लाइसेंस' फिल्म बेहद सफल रही। इस फिल्म को बनाने में उन्हें अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा उन्होंने बताया कि चुनौतियाँ तो हर बार अलग रूप में आती ही हैं। हम चुनौतियों से भाग नहीं सकते। आप कुछ भी बड़ा करने की सोचेंगे तो चुनौतियाँ अलग रूप में आपके सामने खड़ी मिलेंगी। स्वयं उनके शब्दों मे -'यह मेरी पहली सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म है, तो पहला चैलेंज यही था कि ऑडियंस को फिल्म पसंद आए। इसके लिए यह सोचना भी चुनौती थी कि ऐसा क्या-क्या किया जाए कि फिल्म हर एंगल से दर्शकों को सिनेमाघर तक खींचकर लाए।' बॉलीवुड एक्टर यशपाल शर्मा के साथ काम करने के अनुभव के बारे मे रणजीत बताते हैं कि उनके साथ काम करने का अनुभव तो अच्छा ही रहा। स्वयं उनके शब्दों मे -'किस्मत भी अच्छी रही है, क्योंकि मेरी पहली फिल्म 'मलाल' में भी यशपाल सर थे। उनको देखकर ही तो फिल्मों में आए हैं। उनसे सीखने को तो मिलता ही है।' रणजीत ने सुपवा और स्टेज, दोनों के साथ काम किया है। इनके साथ अपने अनुभव को साझा करते हुए वह मानते हैं कि सुपवा हरियाणा में एक क्रांति है, जिसने कलाकारों को तैयार किया और ऐसा मंच दिया कि आज काम के लिए मुंबई जाने की जरूरत नहीं पड़ती। स्टेज ऐप ने इस काम को आगे बढ़ाते हुए कलाकारों को अपनी कला दिखाने के साथ कमाई का अवसर भी दिया और नए टैलेंट को भी सामने लाया। कुल मिलाकर,

लाइसेंस' मेरी पहली सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म है, तो पहला चैलेंज यही था कि ऑडियंस को फिल्म पसंद आए। इसके लिए यह सोचना भी चुनौती थी कि ऐसा क्या-क्या किया जाए कि फिल्म हर एंगल से दर्शकों को सिनेमाघर तक खींचकर लाए।

सुपवा ने कलाकार तैयार किए और स्टेज ने उन्हें प्लेटफॉर्म देकर हरियाणवी सिनेमा को मजबूत आधार दिया। रणजीत के अनुसार हरियाणा के सिनेमा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए जो हरियाणा के प्रसिद्ध अभिनेता या फिल्म मेकर हैं और बाहर बॉलीवुड में काम कर रहे हैं, उन्हें हरियाणा में भी काम करना चाहिए। हालांकि सरकार भी फिल्म बनाने के लिए पॉलिसी लेकर आई है, लेकिन उससे फ़ायदा तभी होगा जब फिल्म पॉलिसी हर साल मिले। चार साल में एक बार पॉलिसी मिलेगी तो सिनेमा कहाँ बड़ा होगा। रणजीत मानते हैं कि क्षेत्रीय सिनेमा को अब ज्यादा सम्मान और अवसर मिल रहे हैं। इसका कारण यह है कि अब फिल्म बनाने के लिए मुंबई नहीं जाना पड़ता। जब हर क्षेत्र में काम होगा तो सम्मान और अवसर भी मिलेंगे। नए लोगों के लिए रणजीत चौहान संदेश देते हैं कि शिद्दत से काम करें और पूरी फिल्म मेकिंग सीखें। इसमें एक्टिंग, डायरेक्शन, राइटिंग, एडिटिंग, सिनेमैटोग्राफी, लाइटिंग और मार्केटिंग इन सभी का ज्ञान होना चाहिए। तब आप किसी एक विधा में सफल हो पाएँगे। सभी चीजों की जानकारी रखें और मेहनत करते रहें।

बीआरजी एनुअल रन में दौड़े डेढ़ हजार से अधिक धावक

10 किलोमीटर दौड़ में राम सागर और गीतिका दलाल रहीं अव्वल

बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के 8 वर्ष पूरे होने की खुशी में करवाई दौड़ प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सेक्टर-9 स्थित जिमखाना क्लब में रविवार को 7वीं एलेंटा मार्ट बीआरजी एनुअल रन आयोजित की गई। बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के 8 वर्ष पूरे होने की खुशी में आयोजित नशे के खिलाफ दौड़ में बहादुरगढ़ सहित दिल्ली-एनसीआर से डेढ़ हजार से अधिक धावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सुबह 6 बजे शुरू हुई इस रन में 10 किलोमीटर, 5 किलोमीटर और 3 किलोमीटर टाइम्ड रन के साथ 1 किलोमीटर फन रन भी आयोजित की गई। एशियन मैराथन चैंपियन डॉ. सुनीता गोदारा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहीं। उनके साथ प्रोकेम से केविन, कोच रविंद्र और जितेंद्र आर्य भी उपस्थित रहे। टाइटल स्पॉन्सर एलेंटा मार्ट के अलावा मेडार्क हॉस्पिटल, फास्ट एंड अप, वंदनम भोग, सत्मोला, पिरामल फार्मा, मार्वल टी, रॉक्स और ऑर्गेनिक फेथ फूड ने भी आयोजन में सहयोग दिया। दीपक छिल्लर ने बताया कि 10 किलोमीटर पुरुष वर्ग में राम सागर प्रथम, प्रतीक द्वितीय और आकाश ढाका तृतीय रहे। महिला वर्ग में गीतिका दलाल प्रथम, ललिता पांडेय द्वितीय और यशी यादव तृतीय रहीं। पांच किलोमीटर पुरुष वर्ग में संदीप रोजवाल प्रथम, अतुल द्वितीय और राकेश कुमार तृतीय रहे। महिला वर्ग में सोना यादव प्रथम, किरण नरूला द्वितीय और रितु गुलिया तृतीय रहीं। तीन किलोमीटर पुरुष वर्ग में नरेंद्र जांगड़ा प्रथम, तेजस राज सिंह द्वितीय और चिराग तृतीय रहे। महिला वर्ग में संजू सैनी प्रथम, ममता रानी द्वितीय और आशु तृतीय रहीं। विजेताओं को मोमेंटो व गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। आदिपुरुष फाउंडेशन के सहयोग से प्रत्येक फिनिशर को मेडल के साथ पौधा भी भेंट किया।



बहादुरगढ़। विजेताओं को सम्मानित करते अतिथि व टीम बीआरजी।

हरियाणा टेनिस क्रिकेट लीग का शुभारंभ

बहादुरगढ़। नया गांव स्थित श्री श्याम क्रिकेट अकादमी में हरियाणा टेनिस क्रिकेट लीग का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, भाजपा नेता दिनेश कौशिक और कैप्टन योगेश बैरागी ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए शुभकामनाएं दीं। ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि खेल का मैदान अनुशासन, टीम भावना, परिश्रम और राष्ट्रभाव का निर्माण करने वाली पाठशाला है। हरियाणवी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन किया है। दिनेश कौशिक ने युवाओं को नशे से दूर रहने तथा खेल-शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। हरियाणा सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए बेहतर सुविधाओं जैसी व्यवस्थाओं पर काम कर रही है। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा, शक्ति गिल, पूर्व चेयरमैन कर्मबीर राठी व मनोनीत पार्षद भीम प्रणामी आदि मौजूद रहे।



25 कबड्डी टीमों ने दिखाया दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव जसौर-खेड़ी स्थित मांडू ऋषि स्टेडियम में रविवार को जिला स्तरीय सब जूनियर कबड्डी चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लड़कों की 15 और लड़कियों की 10 टीमों सहित कुल 25 टीमों ने भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा और दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। विधायक राजेश जून ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और अपनी नेक कमाई से 11 हजार रुपए की सहयोग राशि प्रदान की।

कार्यक्रम में पहुंचने पर आयोजकों ने विधायक राजेश जून का स्वागत किया। पगड़ी बांधकर और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। विधायक ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राजेश जून ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताएं युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं। कबड्डी हरियाणा की पहचान से जुड़ा खेल है, जो युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करता है। ऐसी प्रतियोगिताओं से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को अपनी क्षमता साबित करने का मंच मिलता है। विधायक ने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में हरियाणा की भाजपा सरकार खेलों और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हरियाणा के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। राजेश जून ने युवाओं से नशे से दूर रहकर पढ़ाई के साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने और प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया।



बहादुरगढ़। कबड्डी खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त करते विधायक राजेश जून।

कोच पदमपाल ने एशियन मास्टर्स में जीता सिल्वर मेडल, किया स्वागत



बहादुरगढ़। शहर की एचएल सिटी स्थित चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी के तैराकी कोच पदमपाल ने हाल ही में संपन्न दूसरी एशियन मास्टर्स स्विमिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया है। उन्होंने यह पदक 4 गुणा 50 मीटर मैडले रिले स्पर्धा में जीता है। पदक जीतकर एकेडमी लौटने पर कोच पदमपाल का भव्य स्वागत किया गया। हरियाणा स्विमिंग एसोसिएशन के महासचिव अनिल खत्री, कोच साई जाधव, अनिल हनुमान, अनिल शर्मा समेत अन्य ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खबर संक्षेप



विश्वदीप को मिला वीर गोकुला जाट रत्न सम्मान

बहादुरगढ़। महाराष्ट्र के मुंबई स्थित मुक्ति कल्चरल हब ऑडिटोरियम में महान योद्धा वीर गोकुला जाट के जीवन पर नाट्यमंचन और विभिन्न पुस्तकों के विमोचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विश्वदीप मांडोठी को सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और बुद्धिजीवी वर्ग को एकजुट करने के प्रयासों के लिए वीर गोकुला जाट रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। विश्वदीप ने देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे सामाजिक प्रतिनिधियों से समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने इस सम्मान का श्रेय अपने आदर्श समाजसेवी कैप्टन मान सिंह दलाल को दिया। कैप्टन मान सिंह दलाल ने फोन पर विश्वदीप मांडोठी को बधाई दी।



विधायक ने पिता की जयंती पर लगाया भंडारा

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने अपने पिता स्व. भूप सिंह जून की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई। इस उपलक्ष्य में आरजे अस्पताल के बाहर भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। विधायक ने अपने पिता भूप सिंह जून की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके जीवन मूल्यों, संस्कारों तथा समाज सेवा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। राजेश जून ने अपने पिता भूप सिंह जून द्वारा दिखाए गए समाज सेवा और जनकल्याण के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि माता-पिता के संस्कार और उनके आदर्श व्यक्ति के जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं।



पौधरोपण से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

बहादुरगढ़। अग्रवाल वैश्य समाज की ओर से इंदिरा मार्केट स्थित महाराजा अग्रसेन पार्क में महाराजा अग्रसेन जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। लोगों ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आरती की। इसके बाद प्रसाद वितरित किया गया और पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अशोक गोयल रहे। इस अवसर पर अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा के प्रदेश सचिव प्रेम बंसल, प्रधान सतनारायण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश बंसल और मौजिज लोगों ने महाराजा अग्रसेन के सिद्धांतों को समाज में आगे बढ़ाने और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने पर जोर दिया।



विद्यार्थियों ने किया जेल का भ्रमण

बहादुरगढ़। जेसी कॉलेज ऑफ लॉ ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झज्जर के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए जेल भ्रमण का आयोजन किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली, आंतरिक व्यवस्था और बंदियों के प्रबंधन से संबंधित जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम कॉलेज की निदेशक प्रोफेसर शालिनी त्यागी के निर्देशन और झज्जर के सीजीएम विशाल के मार्गदर्शन में हुआ। कॉलेज के प्राध्यापक कपिल देव और चारु ग्रोवर भी विद्यार्थियों के साथ मौजूद रहे। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को न्यायिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था की व्यावहारिक जानकारी देना था।

कांग्रेस आज करेगी जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

बहादुरगढ़। कांग्रेस पार्टी की ओर से सोमवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया जाएगा। पूर्व विधायक राजेंद्र जून ने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में होने वाले इस प्रदर्शन में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई जाएगी। जून ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में इस प्रदर्शन में पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए चुनाव प्रक्रिया का निष्पक्ष होना जरूरी है।



नेशनल के लिए चुनीं गई हरियाणा तैराकी टीम

■ गुजरात के अहमदाबाद में 21 से 25 तक होगी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

भारतीय तैराकी संघ (एसएफआई) द्वारा पहली बार आयोजित की जा रही शॉर्ट कोर्स सीनियर नेशनल स्विमिंग प्रतियोगिता के लिए एसएफआई के उपाध्यक्ष अनिल खत्री की देखरेख में हरियाणा की टीम का चयन किया गया है। शहर की एचएल सिटी स्थित चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी के स्विमिंग पूल पर आयोजित ट्रायल में नेशनल प्रतियोगिता के लिए फ्री स्टाइल, ब्रेस्टस्ट्रोक, बटरफ्लाई, बैक्सट्रोक और आईएम इवेंट्स के लिए तैराकों का चयन किया गया।

एसएफआई उपाध्यक्ष अनिल खत्री ने बताया कि 25 मीटर के शॉर्ट कोर्स स्विमिंग पूल पर होने वाली यह पहली राष्ट्रीय प्रतियोगिता गुजरात के अहमदाबाद स्थित वीर सावरकर खेल परिसर में 21 से 25 अक्टूबर तक होगी। मुख्य तैराकी कोच साई जाधव, चेतन, पदमपाल, विशाल, पवन, गुरदीप, दीपक और विवेक ने चयन प्रक्रिया में बेहद अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर निकिता, अनिल हनुमान, अनिल शर्मा और अभिषेक आदि मौजूद रहे।



बहादुरगढ़। शॉर्ट कोर्स नेशनल की ट्रायल प्रक्रिया में भाग लेते तैराक। फोटो : हरिभूमि



गोदान करने वाले सभी गोसेवकों को डॉ. स्वामी दिव्यानंद ने स्मृति चिह्न भेंट कर आशीर्वाद दिया

बहादुरगढ़। बादली रोड पर सेठ रामअवतार गोयल गौ एवं वन्य जीव उपचार केंद्र में गौदान कार्यक्रम के अंतिम दिन रविवार को गोसेवकों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। गीताज्ञानेश्वर डॉ. स्वामी दिव्यानंद जी महाराज के सानिध्य में विधि विधान से गोपूजन एवं गोदान कार्यक्रम संपन्न हुआ। रविवार को राज सिंह, अशोक चोपड़ा, रवि आर्य, महिला सत्संग सभा, डॉ राहुल, राम लोहचब, ऋषिपाल, संजय गुप्ता, चंद्रभान, सरोज रमेश राठी, शेखावत गुप्ता, रामलाल, सुरेश शर्मा, रामदेवी, सत्यनारायण, बलवान सिंह, लवलीश आर्य, स्व. लक्ष्मी देवी के परिजन, फूलकंवार ठेकेदार, धर्मवीर हुड्डा, इंद्रावती देवी, संजय रोहिल्ला, राजेश बंसल, अमर प्रेम, राम जगत, अखिल मित्तल, वेदवंती, नर सिंह जून, बलविंदर राठी, प्रशांत जून, नरेश, जगबीर लोहचब व भतेरी देवी आदि ने गोदान किया। गोदान करने वाले सभी गोसेवकों को डॉ. स्वामी दिव्यानंद ने स्मृति चिह्न भेंट कर आशीर्वाद दिया।

वैदिक आर्य कन्या स्कूल के नए भवन का शिलान्यास कुलदीप भास्कर ने अपने भजनों से मंत्रमुग्ध किया



झज्जर। आर्य समाज झज्जर की ओर से रविवार को वैदिक आर्य कन्या स्कूल के नए भवन का शिलान्यास वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया। इस अवसर पर वैदिक परंपराओं के संरक्षण, संस्कार युक्त शिक्षा के प्रसार और बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के संकल्प को प्रमुखता से रेखांकित किया गया। यज्ञ ब्रह्मा के रूप में ब्रह्मचारी इंद्रजीत ने वैदिक विधि-विधान के अनुसार यज्ञ संपन्न करवाया। वहीं वैदिक परंपराओं के अनुरूप जीवन जीने तथा समाज में नैतिक मूल्यों को मजबूत करने का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में आर्य भजनोपदेशक कुलदीप भास्कर ने अपने भजनों की प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। भजनों के माध्यम से उन्होंने लोगों को सत्य के मार्ग पर चलने, अच्छे कर्म करने और अपने जीवन में नैतिकता को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्रधान लाला प्रकाशवीर, संरक्षक जयप्रकाश राठी, सूर्यप्रकाश आर्य, संजय गोयल, महेंद्र बंसल, डॉक्टर गौतम आर्य, डॉक्टर आरपी आर्य, नरेश देशवाल, दीपक सैनी, आचार्य गार्गी, सुमित्रा देवी, पूर्व प्रधान मास्टर द्वारका प्रसाद, राजीव राठी सहित अन्य भी मौजूद रहे।

बुपनिया स्थित जयवीर अखाड़े में झज्जर जिले के लिए ट्रायल करवाया

मांडोठी का अनुराग 97 किलोग्राम में प्रथम और गोधड़ी का सन्नी द्वितीय

लड़कियों के 50 किलो. में रवीना पहले, अंतरा दूसरे स्थान पर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

हरियाणा खेल महाकुंभ के लिए खेल संस्थाओं और खिलाड़ियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में गांव बुपनिया स्थित जयवीर अखाड़े में झज्जर जिले की टीम चुनने के लिए ट्रायल का आयोजन हुआ। ट्रायल में भाग लेकर पहलवानों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और अपना चयन सुनिश्चित किया।

कोच जयवीर की अगुवाई में यह ट्रायल प्रक्रिया हुई। ओलंपियन पहलवान एसीपी रमेश गुलिया और हरियाणा कुश्ती एसोसिएशन के महासचिव राकेश कोच सहित अन्य अतिथियों ने आशीर्वाद देकर पहलवानों का उत्साहवर्धन किया। हाथ मिलवाकर कुश्तियां शुरू कराईं और उन्हें खेल भावना से खेलने को प्रेरित किया। ग्रीको रोमन 55 किलोग्राम भारवर्ग में सोनू अखाड़े के मोहित ने बाजी मारी, 60 किलोग्राम भारवर्ग में असदपुर का अभिषेक पहले तो विवेक दूसरे स्थान पर रहा। जबकि 63 किग्रा में सुधीर मांडोठी, अमन लडरावण क्रमशः पहले व दूसरे स्थान पर रहे। पवन शास्त्री ने 67 किलो में पहला और जतिन ने दूसरा स्थान पाया, 72 किलो में गौरव विजेता बना। मांडोठी का विकास 77 किग्रा में अव्वल और कसार का अजय दूसरे पायदान पर रहा। जबकि 82 किलो में बहादुरगढ़ का आशु पहले, छारा का लोकेश दूसरे, 87 में सोनू अखाड़े का विकास पहले स्थान पर रहा। मांडोठी के अनुराग ने 97 में पहला और गोधड़ी के सन्नी ने दूसरा, हेवीवेट 130 में सतीश अखाड़े का रवि प्रथम तो डीघल का आसिफ द्वितीय रहा।



62 में सुहानी, किस्मत, 65 में सोनिया, मुस्कान 68 में मुस्कान, 72 में चंचल और शिखा टॉप रहीं

लड़कियों के 50 किलोग्राम में रवीना पहले, अंतरा दूसरे व 53 में सोनिया पहले तथा मन्नत दूसरे स्थान पर रही। अन्नु और प्राची 55, आशु, संध्या 57, निक्की व खुशबू 59 किलोभारवर्ग में शीर्ष दो पायदान पर रही। इसी तरह 62 में सुहानी, किस्मत, 65 में सोनिया, मुस्कान, 68 में मुस्कान, 72 में चंचल, शिखा तथा 76 में शिक्षा टॉप पाजिशन पर रहीं। फ्री स्टाइल 57 किलोग्राम भारवर्ग में आसौदा के कार्तिक ने पहला तो छारा के सागर ने दूसरा स्थान पाया। इसी तरह 61 किलोग्राम में लोवा माजरा के भुमित, मांडोठी के निशांत, 65 में कसार के तुषार, डीघल के शिवम, 70 में बिरोहड़ के कृष्ण और सोनू मांडोठी के विकास जबकि 74 में सोनू मांडोठी अखाड़े के रोहित और मलिकपुर के नितिन ने टॉप में जगह बनाई। सुरहा का मनविंद्र और वीरेंद्र छारा अखाड़े का आर्यन 79 किलो में क्रमशः पहले व दूसरे स्थान पर रहे। वहीं, 86 में खुड्डन के सुचेत, कासनी के अमन, 92 में मांडोठी के लक्ष्य, जसोरखेड़ी के पारस, 97 में लीलू अखाड़ा लाडपुर के दीपक, वीरेंद्र छारा के अंकुश तथा 125 किलोग्राम भारवर्ग में सोनू अखाड़े के अमन व रुड़ियावास के सचिन ने पहला व दूसरा स्थान हासिल किया।

न्यूज डायरी



अभिभावकों ने बच्चों की प्रगति रिपोर्ट ली

झज्जर। संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन, व्यवहार एवं सर्वांगीण विकास के संबंध में अभिभावकों और शिक्षकों के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करना रहा। प्राचार्या श्वेता कौशिक ने बताया कि संस्थान के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस बैठक में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों, विषयगत प्रगति तथा सुधार के आवश्यक क्षेत्रों पर चर्चा की।



मेधावी विद्यार्थियों को दी छात्रवृत्ति

झज्जर। आरईडी स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता और छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में आरईडी समूह के निदेशक जितेंद्र सिंह अहलावत मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती वंदना से हुआ। विद्यार्थियों ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों पर आधारित नृत्य, स्वागत नृत्य और बैम्बू डांस की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। विद्यालय की प्राचार्या मंजू ने बताया कि समारोह में ध्वजारोहण, मार्च पास्ट और मशाल प्रज्वलन के बाद खेल प्रतियोगिताओं की शुरूआत की गई। मुख्यातिथि ने विद्यार्थियों को अनुशासन, निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास और खेल भावना अपनाने का संदेश दिया। इसके अलावा अर्द्धवार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को एक लाख रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति देकर सम्मानित किया गया।



भूपेंद्र बने इनेलो के युवा प्रदेशाध्यक्ष

बहादुरगढ़। भूपेंद्र नफे सिंह राठी को युवा इनेलो का नया प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया है। रविवार को कार्यकर्ताओं ने राठी फार्म में आयोजित सम्मान समारोह में भूपेंद्र नफे सिंह राठी का पगड़ी, मालाएं व गदा देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का मंच संचालन शहरी जिलाध्यक्ष रामनिवास सैनी ने किया। इनेलो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शीला नफे सिंह राठी ने भी भूपेंद्र को बधाई देते हुए शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। भूपेंद्र राठी ने भी शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस दायित्व को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खरा उतरेंगे। प्रदेशभर के युवाओं को इनेलो की नीतियों और विचारधारा से जोड़ेंगे। उनकी जमीनी पकड़ और सक्रियता से पार्टी का युवा विंग प्रदेशभर में अधिक मजबूत होगा। अपनी नियुक्ति पर भूपेंद्र राठी ने पार्टी हाईकमान का धन्यवाद करते हुए कहा कि इनेलो की नीतियों का प्रचार प्रसार करते हुए संगठन को मजबूत किया जाएगा। इस मौके पर राजबीर परनाला, सोनू सैनी, नरेंद्र राठी, रामधन दलाल, नीलम ढिल्लो, सूरज राजपूत आदि मौजूद रहे।

मंत्री और प्रदेशाध्यक्ष को दिया निमंत्रण

बहादुरगढ़। मां भगवती युवा मित्र मंडल समिति द्वारा गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी मां भगवती का विशाल जागरण करवाया जा रहा है। शुक्रवार 23 अक्टूबर को सेक्टर-9 स्थित हुड्डा ग्राउंड में होने वाले कार्यक्रम के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता व हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा को भी निमंत्रण दिया गया है। कार्यक्रम में कन्हैया मित्तल के साथ हेमंत ठाकुर, किशोरी कनिष्का, संजय शर्मा व कथा व्यास डिम्पी राम मां की महिमा का गुणगान करेंगे।

बाधा विनाशक एवं भूमि पूजन किया

बहादुरगढ़। श्री श्याम कृपा परिवार द्वारा 15 अक्टूबर को आयोजित होने वाले श्री श्याम प्रथम वार्षिक उत्सव की तैयारियों के तहत रविवार को भूमि पूजन एवं बाधा विनाशक पूजन किया गया। नप चेयरपर्सन सरोज राठी, भाजपा प्रवक्ता विशाल शास्त्री, ऋषि भारद्वाज, नकुल चोपड़ा, पार्षद राजेश तंवर व रवि पांचाल आदि ने श्याम बाबा से कार्यक्रम के निर्विघ्न एवं सफल आयोजन की कामना की।

करीब 265 साल पुरानी परंपरा के साथ श्री प्राचीन रामलीला कमेटी ने शुरू किया मंचन

श्रद्धालुओं ने उतारी आरती | श्रीराम जन्म के बाद निकली चारों युवराजों की शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नवरात्र पर्व के साथ ही शहर में रामलीलाओं का मंचन भव्यता के साथ शुरू हो गया है। श्री प्राचीन रामलीला कमेटी की ओर से दिल्ली गेट स्थित प्राचीन रामलीला मैदान में करीब 265 साल पुरानी परंपरा के अनुसार भूमि पूजन के साथ दिन की रामलीला का शुभारंभ किया गया। श्रीराम जन्म के बाद भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न की भव्य शोभायात्रा शहर में निकाली गई। शोभायात्रा में करीब सात दशक पुराने ऐतिहासिक रथ पर सवार चारों राजकुमारों की झांकी शहर से निकली तो विभिन्न चौक चौराहों पर श्रद्धालुओं को भीड़ जमा हो गई। रास्ते में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम की आरती उतारी और जय श्रीराम के जयकारे लगाए। उनके दर्शन व प्रसाद पाने के लिए लोग आतुर दिखाई दिए। युवाओं में वीडियो बनाने का क्रेज रहा। बैंड-बाजों के साथ निकली शोभायात्रा रामलीला मैदान से शुरू होकर दिल्ली गेट, माता गेट और छारा चुंगी, बेरी गेट से होते हुए अंबेडकर चौक पहुंची उसके बाद मेन बाजार के रास्ते वापिस रामलीला मैदान पहुंच कर संपन्न हो गई।



झज्जर। झांकी के दौरान रथ पर सवार भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत एवं शत्रुघ्न की झांकी।



झज्जर। रामलीला मंचन के दौरान महाराज शीलनिधि के दरबार में उपस्थित महर्षि नारद। फोटो : हरिभूमि

पहले दिन नारद तपस्या का मंचन

शहर में रात्रि के समय होने वाली रामलीलाओं में श्रीलवकुश रामलीला द्वारा शनिवार को ही मंचन की शुरूआत कर दी थी वहीं भगत सिंह चौक स्थित मैदान में श्रीविकास रामलीला कमेटी द्वारा रविवार को यज्ञ-हवन, भूमि पूजन और शस्त्र पूजा के साथ मंचन की शुरुआत की गई। लवकुश रामलीला में पहले दिन ब्रह्मा जी के मानसपुत्र नारद की तपस्या, विश्व मोहिनी स्वयंवर और भगवान शिव द्वारा रावण, कुंभकर्ण तथा विभीषण को वरदान देने के प्रसंगों का मंचन किया गया।



बहादुरगढ़। मंदिर में मां की स्तुति करती चेयरपर्सन सरोज राठी व अन्य।

नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो गई है। पहले दिन रविवार को भक्तों ने अपने घरों में कलश स्थापित किया। मंदिरों में भी सुबह से ही श्रद्धालु मां दुर्गा की पूजा-अर्चना में जुट गए। विधि-विधान से कलश स्थापना कर मां दुर्गा की प्रतिमा या तस्वीर के सामने दीप जलाकर पूजा की गई। चेयरपर्सन सरोज राठी ने भी सेक्टर-2 स्थित श्री राज राजेश्वरी शक्ति पीठ मंदिर में दीप प्रज्ज्वलन किया।

नवरात्र के पहले दिन घरों में भक्तिमय माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने कलश स्थापना कर मां दुर्गा का आह्वान किया। कई घरों में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर दुर्गा सप्तशती का पाठ किया गया। भक्तों ने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पहले दिन मां शैलपुत्री की आराधना की गई। चेयरपर्सन सरोज राठी ने श्री राज राजेश्वरी शक्ति पीठ मंदिर में दीप प्रज्ज्वलित कर मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर संस्थापक स्वामी गणेशानंद गिरी महाराज की उपस्थिति में उन्होंने नागरिकों की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और जनकल्याण की कामना की।



केआर मंगलम में हुई डांडिया नाइट

बहादुरगढ़। नवरात्र के पावन अवसर पर केआर मंगलम वर्ल्ड स्कूल में डांडिया महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम में बहादुरगढ़ के सैकड़ों परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डांडिया नृत्य के साथ-साथ विद्यालय परिसर में खाने-पीने के स्वादिष्ट स्टॉल्स, मनोरंजन के लिए झूले, खरीदारी के लिए विभिन्न स्टॉल तथा बच्चों के लिए खेलों की भी विशेष व्यवस्था की गई थी। प्रिंसिपल अर्पिता आचार्य ने बताया कि हर साल विद्यालय द्वारा नवरात्रि पर बड़े हर्षोल्लास के साथ यह सामूहिक पारिवारिक उत्सव मनाया जाता है। कार्यक्रम में सभी लोग विद्यालय प्रांगण में एक साथ खुशियों में नाचते-झूमते नजर आए।

बाजार में बढ़ी रौनक, दुकानदारों के चेहरे पर मुस्कान

त्योहारी सीजन में ग्राहकी बढ़ने की उम्मीद, माता की चुनरी, नारियल, श्रृंगार और व्रत के सामान की दुकानों पर बढ़ी चहल-पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नवरात्र के आगमन के साथ ही माता की पूजा-अर्चना में उपयोग होने वाले सामान की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ रही है। रविवार को दिनभर नवरात्र से संबंधित सामान वाली दुकानों पर भीड़ रही। बाजार में बढ़ती चहल-पहल को देखकर दुकानदारों के चेहरे खिले हुए हैं और उन्हें इस बार अच्छा कारोबार होने की उम्मीद है। पुराना बस स्टैंड रोड, मेन बाजार, सिलानी गेट सहित शहर के प्रमुख बाजारों में दुकानदारों ने नवरात्र से संबंधित सामान की बिक्री के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों पर माता की चुनरी, नारियल, पूजा सामग्री, श्रृंगार के पैकेट, मिश्री के प्रसाद के अलावा व्रत में उपयोग होने वाले साबुदाना, सामक, व्रत मिक्सचर और चिप्स आदि भी मंगवा लिए हैं। पुराना बस स्टैंड रोड पर दुकान संचालक प्रवीन कुमार और अनिल कुमार ने बताया कि शारदीय नवरात्र और त्यौहारी सीजन को देखते हुए उन्होंने अपनी दुकानों पर विशेष रूप से पूजा सामग्री और व्रत का सामान सजाया है।



झज्जर। पुराना बस स्टैंड रोड पर छिक्कारा चौक के नजदीक दुकान पर लगी श्रद्धालुओं की भीड़। फोटो : हरिभूमि

भाजपा में शामिल हुए यशपाल हिंदुस्तानी व विजय

बहादुरगढ़। वार्ड नंबर-24 से चुनाव लड़ चुके यशपाल हिंदुस्तानी व विजय रोहिल्ला भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने दोनों को पटका पहनाकर भाजपा में शामिल करवाया। इस मौके पर दिनेश कौशिक व भीम सिंह प्रणामी भी मौजूद रहे।

जिला व उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। जिला प्रशासन द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी वर्षा खांगवाल और उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में संबंधित एसडीएम आमजन की समस्याएं और शिकायतें सुनेंगे।

मौसम का बदला मिजाज, चली ठंडी हवाएं

झज्जर। रविवार को एकाएक मौसम का मिजाज बदला। दिनभर आसमान में हल्के बादल छाए रहे और सांय ढलते ही ठंडी हवाएं चलने लगी। जिसके कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई और हल्की ठंड का भी एहसास हुआ। रविवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विशेषज्ञ आगामी दिनों में भी मौसम परिवर्तनशील रहने का अनुमान लगा रहे है।

शहीद मनोज कुमार की प्रतिमा का अनावरण आज

झज्जर। देश की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले जिले के गांव मुंडाहेड़ा के वीर सपूत अमर शहीद प्रधान नाविक मनोज कुमार की याद को अमर रखने के लिए ग्राम पंचायत एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा सोमवार को उनकी प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। शहीद मनोज कुमार के पिताजी हेडमास्टर रणवीर सिंह ने बताया कि प्रातः 10 बजे होने वाले इस समारोह में मुख्यातिथि के रूप में रोहतक लोकसभा सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा शामिल होंगे। इनके अलावा विधायक गीता भुक्कल, बादली विधायक कुलदीप वत्स तथा यादव महासभा के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह दरोगा सहित अन्य भी विशेष रूप से शिरकत करेंगे।



बहादुरगढ़। विजेताओं को पुरस्कृत करते मनोज राठी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हैदराबाद में होने वाली स्पर्धा के लिए खिलाड़ियों का हुआ चयन

■ 14 से 16 नवंबर तक प्रतियोगिता में दमखम दिखाएंगे खिलाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को शहर के अंबेडकर स्टेडियम में 20वीं झज्जर डिस्ट्रिक्ट जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। प्रधान जयप्रकाश जाखड़ ने अतिथि मनोज राठी, अंतरराष्ट्रीय कोच अश्विन, सनी दलाल व कर्मजीत अहलावत का स्वागत किया। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाणप्रत्र देकर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता के आयोजक सचिव करण राठी ने बताया कि 16 वर्ष के आयु वर्ग में लंबी कूद में यश प्रताप ने स्वर्ण, योगेश ने रजत व रजत सराय ने कांस्य पदक जीता। जैवलिन थ्रो में अन्वी ने स्वर्ण, नैंसी ने रजत व दीपशिखा ने कांस्य पदक जीता। वहीं 14 वर्ष आयुवर्ग में युग नांदल ने स्वर्ण, हितेश ने रजत व विवान ने कांस्य पदक प्राप्त किया। जबकि रितिका ने स्वर्ण पदक, सोनू ने रजत व नव्या ने कांस्य पदक जीता। इनमें से 13 खिलाड़ियों का हैदराबाद में 14 से 16 नवंबर तक होने वाली 20वी अंतर जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए चयन किया जाएगा। प्रतियोगिता के दौरान इंटरनेशनल कोच करण राठी, जय भगवान, सुमित दलाल, ज्योति, रिंकू नयागांव, संजय जाखड़, हेमंत कोच, जतिन कोकी, आशीष राठी, नेहा व सतेंद्र डीपी आदि उपस्थित रहे।



बाजरे की खरीद नहीं होने पर अभय सिंह चौटाला की चेतावनी, मंडी गेट पर जड़ेंगे ताला

झज्जर। रविवार दोपहर बाद इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला स्थानीय अनाज मंडी परिसर पहुंचे और दस दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे अनाज मंडी के पूर्व प्रधान हरेंद्र सिलाना के धरने का समर्थन किया। उन्होंने सरकार और प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सोमवार तक बाजरे की खरीद शुरू नहीं की गई तो अनाज मंडी के गेटों पर ताले लगा दिए जाएंगे। कहा कि पिछले 12 वर्षों में धान की खरीद में बड़े-बड़े घोटाले हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि नमी के नाम पर हजारों करोड़ रुपये का नुकसान किसानों को उठाना पड़ा और सत्ता में बैठे लोगों ने इसका फायदा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बाजरे और सरसों की खरीद में भी इसी तरह की लूट हुई है। अब बाजरे की खरीद के नाम पर किसानों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार मंडियों में बाजरे की खरीद करने के बजाय निजी लोगों से खरीद करवाना चाहती है। वहीं उन्होंने कहा कि ऊंट पर घूमने वाले दीपेंद्र हुड्डा को धूल से एलर्जी है, ड्राईंग रूम की राजनीति छोड़कर किसानों के बीच आए और किसानों की समस्याएं सुने। दस दिन बाद खत्म करवाई हरेंद्र सिलाना की भूख हड़तालः वहीं बाजरे की सरकारी खरीद नहीं होने पर पिछले दस दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे हरेंद्र सिलाना को किसानों और अभय सिंह चौटाला ने जूस पिलाकर हड़ताल खत्म करवाई।

किसानों के हितों की रक्षा व सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है प्रदेश सरकार : श्रुति चौधरी



झज्जर। विकास योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करते हुए सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

रविवार को सिंचाई विभाग विश्राम गृह में सिंचाई एवं महिला बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने सिंचाई विभाग की लगभग 37.50 करोड़ रुपये लागत की दस योजनाओं का उद्घाटन तथा एक परियोजना का शिलान्यास किया। इन योजनाओं से जिले के विभिन्न गांवों में जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा खेतों में जलभराव और बाढ़ के पानी की निकासी में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों की रक्षा और कृषि क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सिंचाई एवं जल निकासी से जुड़ी परियोजनाओं के माध्यम से किसानों को राहत देने और कृषि भूमि को जलभराव से बचाने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी, एडवोकेट लोकेश कुमार और गांव ग्वालिसन में राजेश धनखड़ के आवास पर लोगों से संवाद भी किया।



बामडोली में 50 लाख के विकास कार्य शुरू

बहादुरगढ़। जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने गांव बामडोली में जिला परिषद की ग्रांट से होने वाले 50 लाख रुपए के विकास कार्यों का विधिवत शुभारंभ किया। सरपंच प्रतिनिधि जितेंद्र समेत ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। रविंद्र छिल्लर बराही ने बताया कि जिला परिषद की ग्रांट से गांव बामडोली में 20 लाख रुपए की लागत से जिम हॉल, 10 लाख रुपए की लागत से टीन शेड तथा 20 लाख रुपये की लागत से पाइपलाइन के कार्य शुरू करवाए गए हैं। इन विकास कार्यों से गांव में आधारभूत सुविधाओं को मजबूती मिलने के साथ ग्रामीणों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का विकास उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। क्षेत्र में विकास कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। भाजपा सरकार शहरी की तर्ज पर गांवों के विकास और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दे रही है।

न्यूज डायरी



बालकों ने लगाई माता की चौकी, नवरात्र में प्रतिदिन करेंगे मां दुर्गा की पूजा-अर्चना

झज्जर। शहर के वार्ड नंबर दस स्थित माता चौरासी घंटे वाली मंदिर के नजदीक बालकों ने छोटी उम्र में धार्मिक आस्था और भक्ति का अनूठा उदाहरण पेश करते हुए माता की चौकी स्थापित की है। नवरात्र के पावन अवसर पर बच्चों ने मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करते हुए पूजा-अर्चना की और पूरे नवरात्र नियमित रूप से मां की आराधना करने का संकल्प लिया। बच्चों की इस पहल से आसपास का माहौल भक्तिमय हो गया है। जिसके चलते परिजनों, मौहल्ला निवासियों के साथ-साथ वार्ड पार्षद मिथुन शर्मा ने हौंसला अफजाई करते हुए उनके नेक कार्य की सराहना की है। मिथुन शर्मा ने कहा कि छोटी उम्र में इस तरह के धार्मिक एवं सकारात्मक कार्यों के प्रति रुचि रखना सराहनीय है। उन्होंने बच्चों को इसी तरह अच्छे संस्कारों और धार्मिक परंपराओं से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर निखिल, पूर्व, रक्षित, नक्ष, पुष्पकर, मायरा, जिया, माही, हरकृत, दिवांशी, मांगेराम शर्मा, रामकुंवार भारद्वाज, उमेश भारद्वाज, मुकेश शर्मा, विकास शर्मा, कुनाल भारद्वाज, रामनिवास रोहिल्ला, संगीता देवी, कृष्णा देवी, शंकुतला गोयल, सरोज देवी, कृष्णा शर्मा, संतोष देवी, नीना देवी, सुशीला देवी सहित अन्य भी मौजूद रहे।



हर क्षेत्र में सफलता का लक्ष्य, विद्यार्थियों को निखारने का संकल्प : डॉक्टर महिपाल

झज्जर। संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में बीस से अधिक विद्यार्थियों के एनडीए लिखित परीक्षा में सफल होने से विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल बना हुआ है। संस्कारम् समूह के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने बताया कि जिले में वर्तमान बैच से सर्वाधिक एनडीए क्वालीफायर्स देने की उपलब्धि उनके संस्थान ने हासिल की है। उन्होंने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय विद्यार्थियों को रक्षा सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस उपलब्धि पर उन्होंने अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उत्तीर्ण विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान होनहार विद्यार्थियों को अचीवर्स अवार्ड भी प्रदान किए गए।

अजय ने पास की एनडीए की लिखित परीक्षा



झज्जर। एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल के छात्र अजय ग्रेवाल ने नेशनल डिफेंस एकेडमी की परीक्षा क्वालिफाई कर स्कूल और जिले का नाम रोशन किया है। स्कूल प्रबंधक केएम डागर ने बताया कि अजय ग्रेवाल मेहनती और लक्ष्य के प्रति समर्पित विद्यार्थी है। इस उपलब्धि पर स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया, योजित गुलिया, भविष्य दहिया व प्राचार्या निधि कादियान ने अजय को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर स्कूल एचओडी रविंद्र लोहचब, डीपीई अमित लोहचब, विशाल सिंह सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295154800, 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900